डायमण्ड
कॉमिक्स

Rs.

प्रा०
चाचा चौधरी
बिल्लू और पिंकी

eHindiComics
Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/
eHindiComics

छुट्टी का दिन

चाचाजी! सब लोग हफ्ते में एक दिन छुट्टी रखते हैं. हम क्यों नहीं?

साबू! हमें भी आराम की जरूरत है.

आज से हम भी हफ्ते में एक दिन काम नहीं किया करेंगे.

यह नियम कब से लागू होगा, चाचाजी?

आज से ही. आज हम यहां बैठ कर सिर्फ आराम करेंगे. बस, आराम ही आराम!

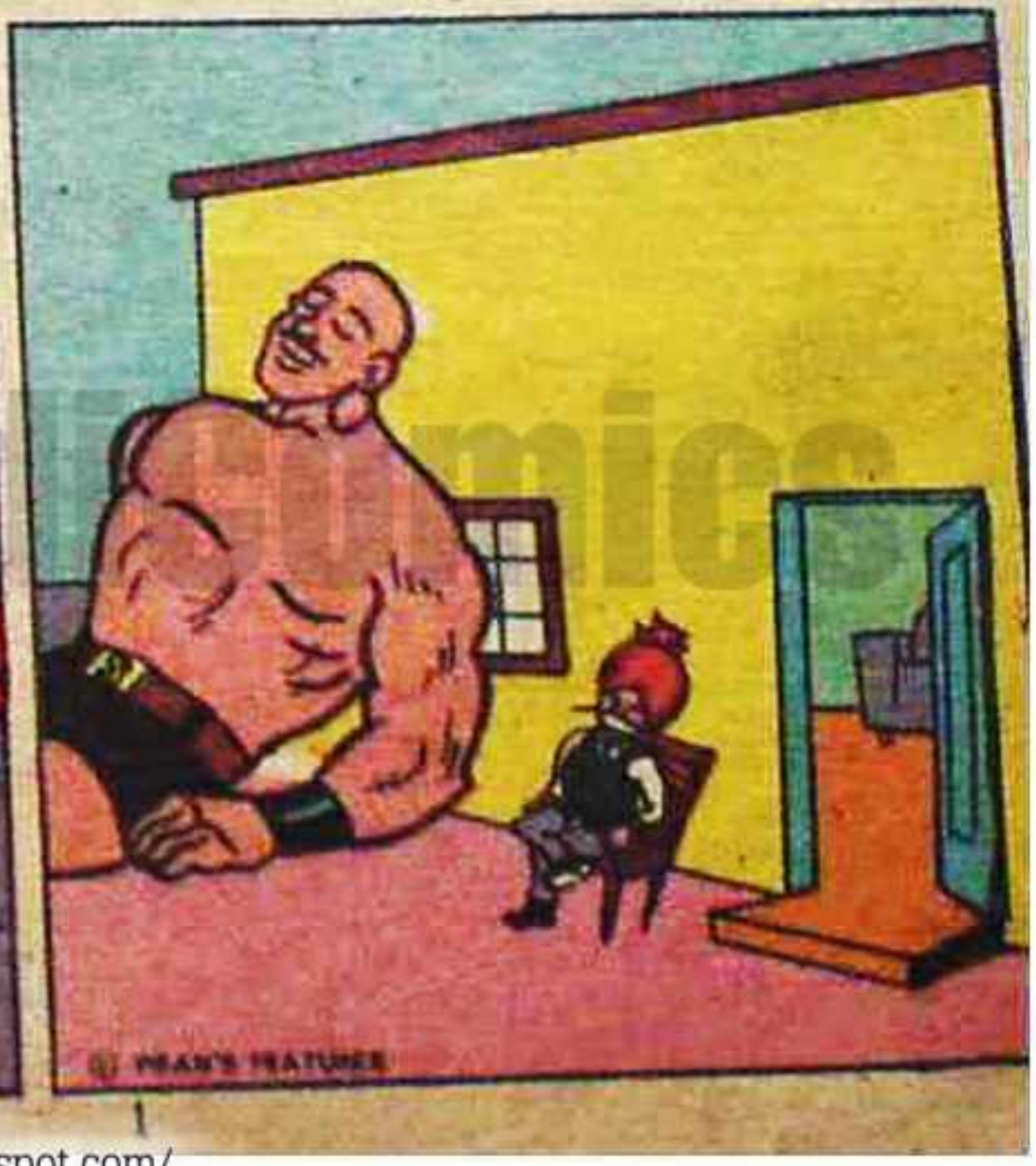

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

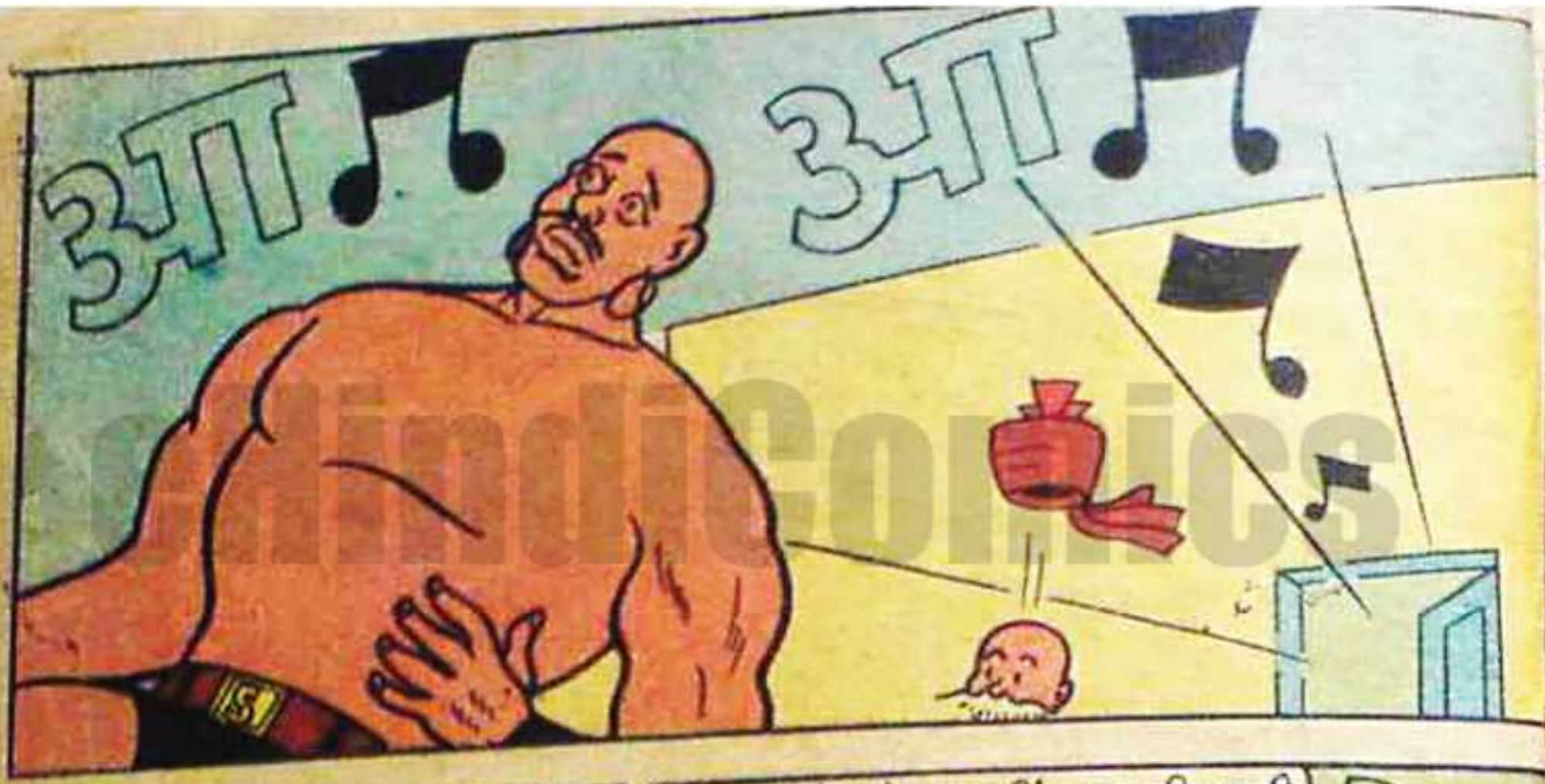

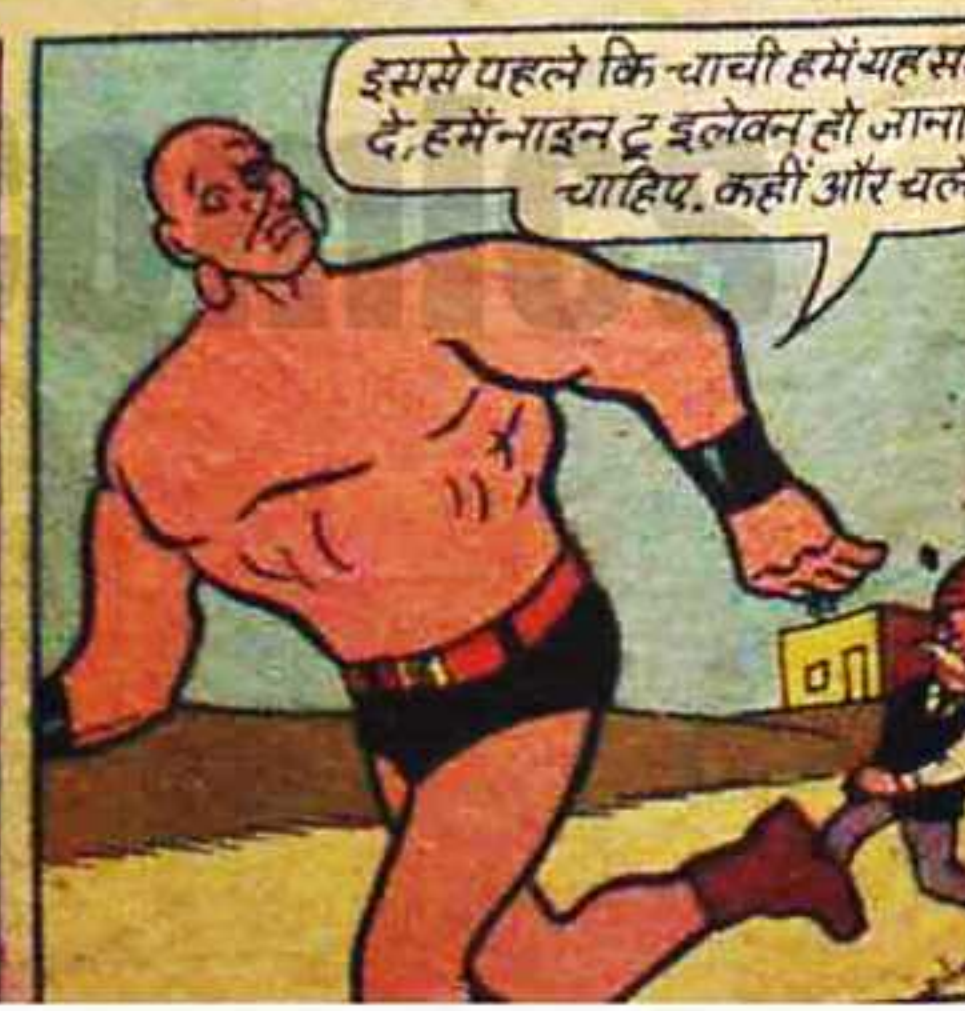

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

धड़ाम! धड़ाम! धड़ाम

धड़ाम धड़ाम

चाचाजी! हम बड़ी मुसीबत में आ फंसे!

बंद करो यह शोर!

यह सब क्या है?

बिल्लू का सुपर बैण्ड

तो यह सुपर बैण्ड तुम अपने घर जा कर बजाओ!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

वहां से मोहल्ले वालों ने हमें मार कर निकाला है. हमने सोचा इस पुराने खण्डहर में बिना रोक टोक के बैण्ड बजाएंगे.

हां, तो गब्दू ! फिर से शुरू हो जाओ.

धड़ाम ! खड़ाम !

बाप रे ! भागो !

साबू ! आखिर हमें एक सुरक्षित जगह मिल गई जहां हम अपनी छुट्टी शांति से बिता सकते हैं.

संगीतकारों का अंदर आना मना है.

यह देखो ! यही हमारी मंजिल है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

यहां हमें कोई भी परेशान नहीं करेगा.

संगीतकारों का अंदर आना मना है.

छुट्टी बिताने के लिए यह स्वर्ग है.

नमस्ते ! मेरा नाम पिंकी है. आप अंदर आ जाइए.

चाचाजी ! कहीं हमें फिर से फंसाने का यह षड्यन्त्र तो नहीं ?

पिंकी ! मैं चाचा चौधरी हूं और मेरे साथ है साबू. तुम्हें कोई गाना वगैरह गाने का कोई शौक तो नहीं ?

बिलकुल नहीं.

संगीतकारों का अंदर आना मना है

तो फिर साबू, अंदर चले आओ. कोई खतरा नहीं.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

भागो! ये पांच सौ कविताएं खत्म होने से पहले ही मेरा दम निकल जाएगा.

संगीतकारों का अंदर आना मना है.

चाचाजी! पूरी दुनिया में कोई ऐसी जगह नहीं जहां हम चैन से अपनी छुट्टी मना सकें. बेहतर होगा कि हम घर लौट चलें और चाची का दादरा-ठुमरी ही सुन लें. वह कम कष्टदायी है.

ठीक है.

आ गए? यहां बैठो और मेरा गाना सुनो.

यदि आप मेरी इन पांच सौ कविताओं को गाकर सुनाएंगी तो और भी लुत्फ़ आएगा.

अच्छा सुझाव है.

और अगर आप सुपर बैण्ड के साथ गाएंगी तो वह समा बंधेगा कि यह वर्ष की सबसे महान घटना होगी.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

यहां आ कर हमने आत्म-हत्या की है. हम अकेले मिर्फिरे से ही परेशान थे, जब सब इकट्ठे मिल कर हंगामा करेंगे तो जिंदा बचना नामुमकिन है!

दोस्तो! वर्ष का सबसे सुपरहिट शो शुरू होने जा रहा है. एक! दो! तीन!

धड़ाम! धड़ाम

हो हा!

अरे! चचाजान और साबू कहां गए?

लगता है फिर भाग गए!

वे यहां हैं!

अरे! इस बार आप लोग भागे क्यों नहीं?

हमने कानों में रुई ठूंस ली थी.

© PRAN'S FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अरे! वह तो मैं भूल ही गया था.

सिवाय मारधाड़ के तुम्हें और कोई बात याद भी रहती है?

अच्छा, हमें श्री ललित मोहन के यहां जाना है. घर पर रहना, घबराना मत. दूर होकर भी तुम्हारे साथ रहूंगा.

अगर दूर रहोगे तो साथ कैसे रहोगे?

यह फाउन्टेन पैन अपने पास रखो.

पैन?

दरअसल यह एक माइक्रोवेव ट्रांसमीटर है.

इस पैन को खोलने से माइक्रोवेव द्वारा मेरी पगड़ी में रखे रिसीवर को सूचना मिल जाती है.

टिक! टिक!

लेकिन इस पैन की स्याही जमीन पर मत बहाना. समझे?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

ऐसा कौनसा आदमी है जिसे लोगो चुटकी बजाते खत्म नहीं कर सकता? लिस्ट में अगला नम्बर यही लिख लो.

तो फिर चलो.

चाचा चौधरी को छोड़ कर दुनिया में हमें कोई दूसरा नहीं पकड़ सकता क्योंकि वह तीक्ष्ण बुद्धि का इंसान है.

के सिर्फ उसके घर तक ले चलो. उसे उठा कर अपने अड्डे पर ले जाऊंगा और मार डालूंगा.

यह रहा चाचा चौधरी का घर!

तुम यहीं ठहरो!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

चाचा चौधरी कहां है? मैं उसे नरक पहुंचाने आया हूं.

लगता है तुम्हारे सितारे गर्दिश में आ गए हैं.

बदतमीज बच्चो! तुम्हें इस गुस्ताखी की सजा भुगतनी पड़ेगी!

लोगो! चाचा चौधरी को किसी तरह हमारे आने की खबर मिल गई और वह भाग निकला.

कोई बात नहीं, डा० बांके! हम इन बच्चों से सब कुछ उगलवा लेंगे.

अब यहां प
सड़ते रहो

© PRAN'S FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

लोगो! ऐसी बेवकूफी न करना. ये बच्चे जानते हैं कि चाचा चौधरी कहाँ हैं, यदि तुमने इन्हें आग में डाल दिया तो फिर चाचा चौधरी को ढूंढना मुश्किल हो जाएगा.

जब तक ये उसका पता नहीं बताते, इन दोनों को यहीं बन्द रखा जाए. हो! हो!

बिल्लू! अब क्या होगा?

चचा ने यह पेन देते हुए कहा था कि जब उनसे सम्पर्क स्थापित करना हो, हम इसको खोल दें.

देखते हैं चचा को कुछ सूचना मिलती है या नहीं?

ललित मोहन के यहां ...

!!

टिक! टिक!

एकदम खाना क्यों रोक दिया? क्या मुंह में मिर्च आ गई है? ... ...

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

यह छोकरा इस पैन के जरिये गुप्त संदेश भेज रहा था, शायद चाचा चौधरी को. यदि वह पुलिस ले कर हमारे अड्डे पर आ गया तो सब कुछ मिट जाएगा.

अगर यह बात है तो उन्हें यहां तक नहीं आने दिया जाएगा. तुम्हारी यह पिस्तौल एक फायर में कितने आदमियों को मार सकती है, डाक्टर?

पन्द्रह.

और चाचा चौधरी का हुलिया भी बता दो.

वह लाल पगड़ी पहनता है.

बस. तुम बच्चों पर निगरानी रखो. मैं दुश्मनों को देखता हूं.

छोकरे! तुम हमें बेवकूफ समझते थे? हमने खुद बड़े-बड़े आविष्कार किए हैं.

अर्रर्र! पैन को उलटा मत करो. स्याही टपक जाएगी.

© PRAN'S FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

मेरी यह आदत है कि जिस काम के लिए मुझे मना किया जाए वह मैं जरूर करता हूं. देखो! इस स्याही में और आम स्याही में कोई फर्क नहीं.

स्याही के जमीन पर गिरते ही...

वह गहरी नींद सो गया. इससे पहले कि वह जाग जाए, उसे रस्सी से बांध देना ठीक रहेगा.

उधर...

ओह! यह क्या हो गया!

आप गहरी नींद सो गए थे.

चलिए.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

इन्द्रधनुष और खज़ाना

लम्पट! देखो, आसमान में इन्द्रधनुष कितना खूबसूरत लग रहा है!

चम्पत! इस इन्द्रधनुष से पैसा कमाया जा सकता है.

इन्द्रधनुष से पैसा? यह मैंने जिन्दगी में पहली बार सुना है.

न हम सिर्फ पैसा कमाएंगे बल्कि अच्छी दिल्लगी भी होगी. हम लोगों से कहेंगे कि जहां इन्द्रधनुष खत्म होता है, उस छोर पर खजाना है.

© PRAN'S FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

वह रहे वही सज्जन! कोई लाटरी या वर्ग पहेली का चक्कर नहीं. सीधे आपको खजाने की जगह बता देंगे.

क्या आप सचमुच खजाने का पता बताते हैं?

बिलकुल!

तो फिर देर मत कीजिए. यह लीजिए अपनी फीस, दस रुपए.

देखो! जहां यह इन्द्रधनुष खत्म होता है, वहां जमीन पर बहुमूल्य खजाना पड़ा है. जाओ, उठा लो.

मैं चला! इससे पहले कि कोई और वहां पहुंचे, मुझे खजाना अपने कब्जे में कर लेना चाहिए.

लम्पट! लोगों को बेवकूफ बनाने में तुम्हारा जवाब नहीं.

यदि मैं वित्त मंत्री होता तो विदेशों से कर्ज न लेना पड़ता. सारे बजट का पैसा मैं ऐसे ही जुटा लेता.

इन्द्रधनुष नदी के उस पार जाता है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

यह रास्ता इतना दुश्वार और मीलों लम्बा होगा, मैंने अंदाज़ा ही नहीं लगाया था. चलते चलते टांगें दुखने लगी हैं.

बचाओ!

ओह!

कहीं यह खजाने का चक्कर जानलेवा न साबित हो।

उफ़!... आखिर मैं उस जगह पहुंच गया जहां इन्द्रधनुष खत्म होता है. पर यहां खजाने का नामोनिशान नहीं! मुझे उल्लू बनाया?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

मेरे पैसे वापस लौटाओ! खजाना तो दूर, उल्टा एक पैसा भी नहीं मिला मुझे.

तुम इन्द्रधनुष के पूर्वी छोर पर गए थे या पश्चिमी छोर पर?

पूर्वी!

साबू! लगता है, आज कहीं से पैसा मिलेगा.

बस, यही गलती की. खजाना पश्चिमी छोर पर पड़ा है.

मेरी टांगों ने अब और चलने से जवाब दे दिया है.

तुमने ठीक सोचा. वहां पर एक सज्जन बैठे हैं, जो फीस लेकर खजाने का पता बताते हैं. जाओ, वह धन तुम्हारे भाग्य में ही शायद लिखा हो.

© PRANS FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

साबू! तुम लम्बे हो, जरा देखना, इन्द्रधनुष कहां खत्म होता है?

मैं पत्थर फेंकता हूं, जहां जाकर यह गिरेगा, वहीं इन्द्रधनुष का छोर है.

सर्राट!

धड़ाक!

ओह!

भूत! भूत!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

साबू! नोटों से भरी बोरी! खजाना मिल ही गया.

अरे! वह लौट आया? उसके साथ जो पहलवान था, वह जरूर मेरी गर्दन मरोड़ देगा. मुझे यहां से खिसक जाना चाहिए.

ठहरो!

मुझे बख्श दो! मैंने मजाक किया था कि इन्द्रधनुष के छोर पर खजाना है.

लेकिन हमें खजाना मिला है. यह देखो.

पिछले दिनों जो बैंक में डकैती पड़ी थी, यह वही रुपया है. बैंक ने इसका सुराग लगाने वाले को पचास हजार रुपया इनाम देने की घोषणा की थी, जो चाचाजी को मिलेगा.

इनाम का आधा हिस्सा तुम्हें दूंगा क्योंकि तुमने ही बताया था कि खजाना कहां है?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

शहर का कोतवाल रामलुभाया...

कांस्टेबल शंखूराम! इस इलाके में चोरियां बढ़ती जा रही हैं और ढोलू चोर पकड़ा नहीं जा सका. शाम तक ढोलू को न पकड़ा तो अपनी छुट्टी समझो.

मर गए! एक बीवी और बारह बच्चे घर में पालने के लिए और नौकरी का यह अल्टीमेटम!

शंखूराम! आज बड़े उदास नजर आ रहे हो?

चचाजी! अगर आज मैंने ढोलू चोर को न पकड़ा तो नौकरी से बर्खास्ती का हुक्म मिला है. नौकरी छूट गई तो बच्चे कैसे पालूंगा?

फिक्र न करो. अलमारी खोलो और जितना चाहो पैसा ले लो. नौकरी छूटने पर कोई धंधा शुरू कर लेना.

?

© PHANS FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अब पैसे की जरूरत नहीं. यह टोलू चोर पकड़ा गया. मेरी नौकरी बरकरार रहेगी.

टोलू! तुमने मुझे बहुत परेशान किया है. चल, सबसे पहले मैं तुम्हें हवालात में बंद करता हूँ.

ओफ-हो! न जाने सरकार पुलिस चौकियाँ इतनी दूर क्यों बनाती हैं? चलते-चलते दम खुश्क हो गया.

क्यों न थोड़ी देर सामने पेड़ की ठंडी छाँव में आराम कर लिया जाए?

ठीक है.

अब कुछ दम में दम आया.

खर्र! खर्र!!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

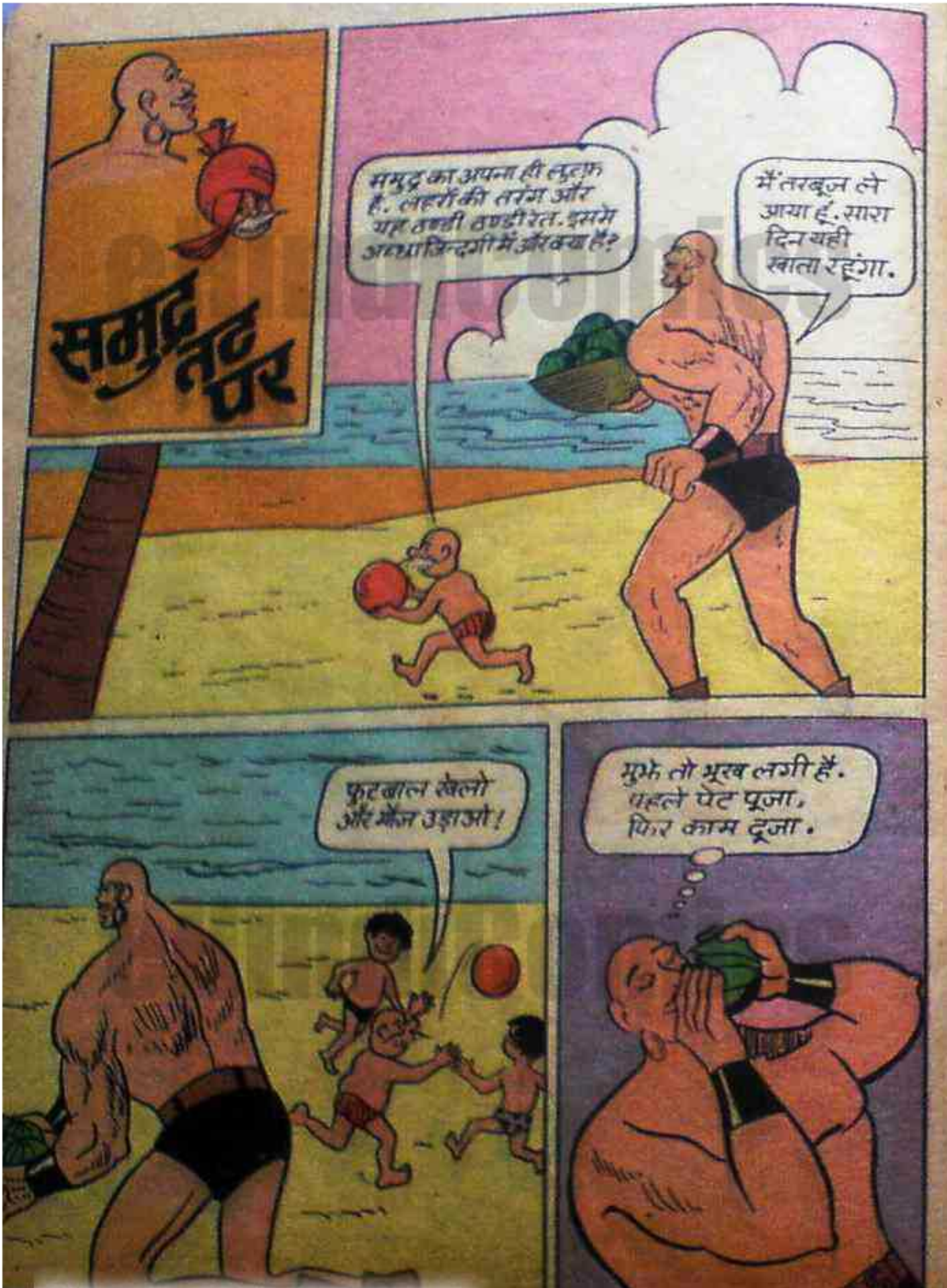

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

उसके चार लड़के अच्छे बैट्समैन थे और तीन बाउलर. बताओ चरणदास के कितने लड़के थे?

सात!

गलत. तभी तो तुम केवल शरीर से पेड़ की तरह लम्बे-चौड़े हो, दिमाग से फिसड्डी.

चरणदास के चार लड़के थे.

कैसे?

चार लड़कों में से एक बैट्समैन था, बाकी तीन आलराउंडर्स... यानि वे तीनों बैटिंग और बाउलिंग दोनों करते थे.

देखा! तभी कहते हैं चाचा चौधरी का दिमाग कम्प्यूटर से भी तेज चलता है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अरे, पहेलियां ही बुझाते रहोगे या कुछ काम भी करोगे? खाना तब मिलेगा जब बाजार से सब्जी आएगी.

पिंकी! चलो, आ कर दूध पीयो.

साबू! इससे पहले कि तुम्हारी चाची का दिमाग ज्वालामुखी की तरह फट पड़े, मंडी से सब्जी ले आओ.

करीब ही शानपुर गांव के निवासी...

किसी दूसरे कस्बे में चल कर बसते हैं.

मरने से तो अच्छा ही है कि किसी दूसरी जगह रहा जाए.

शिकारी शब्बू खां...

अरे! तुम लोग ये बोरिया-बिस्तर उठाए कहां जा रहे हो?

हम लोग शानपुर गांव छोड़ कर जा रहे हैं.

क्यों?

जंगल से एक आदमखोर शेर आता है और किसी भी आदमी को उठा ले जाता है. एक-एक करके वह कई आदमी खा चुका है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अब शिकारी शम्बू खाँ आ गया है, तुम्हें गाँव छोड़ने की जरूरत नहीं. शम्बू खाँ ने अब तक सिर्फ शेर ही मारे हैं. इस आदमखोर शेर की मौत भी शायद मेरे हाथों लिखी है.

गाँव का हर परिवार सौ रुपया देता जाए, मैं इसके बदले में शेर को गाँव के पास फटकने नहीं दूँगा. बोलो, मंजूर है?

थाँय

मंजूर है.

लीजिए, फीस हम अभी अदा किए देते हैं.

काफी पैसा इकट्ठा हो गया है! मेरे खाने-पीने के लिए यह काफी है.

और शिकारी शम्बू खाँ गाँव वालों के साथ ही शानपुर में रहने लगा.

© PRAN'S FEATURES

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

शिकारी बाबू! काफी दिनों से आदमखोर शेर हमारे गांव में नहीं आया.

अरे, आएगा कैसे? बंदूक के सामने बड़ों-बड़ों की हालत पतली हो जाती है. शेर शिकारी शब्बूखां के आगे भीगी बिल्ली बन जाते हैं.

गर्रर्रर्र!!

?

बापरे!

आदमखोर आ गया! अपने दरवाजे बंद कर लो!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

चाचा चौधरी और जबाक

अंतरिक्ष में लटकी प्रकाशवर्ष दूर एक ग्रह है... शरबतीर.

शरबतीर पर एक रोबोट जबाक राज्य करता है.

रोबोट जबाक...

बस्तीर! मैं पूरी सृष्टि में सबसे परिपूर्ण मशीनी आदमी हूँ. मुझसे कोई जीत नहीं सकता!

जबाक! अहम मत करो...

याद रखो, तुम्हें मैंने बनाया है... और जो बना सकता है, वह मिटा भी सकता है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

बजतीर! इससे पहले मैं तुम्हें मार डालूंगा.

यह लो!

आह... ह!!

बेवकूफ जबाक! यह तूने क्या किया? तूने बजतीर को मार डाला. अब तुम्हारी बैटरी कौन बदलेगा? इधर तुम्हारी बैटरी खत्म हुई नहीं कि उधर तुम मरे.

मेरे अंदर की बैटरी अभी वर्षों तक चलेगी.

उसके बाद तुम्हें कौन जिन्दा रखेगा?

लेकिन अब क्या हो सकता है?

पृथ्वी पर जाओ और कोई दूसरा आदमी पकड़ लाओ जो खत्म होने पर तुम्हारी बैटरी नई लगा सके.

जबाक पृथ्वी की तरफ चल दिया.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

वह सामने पृथ्वी है.

मैं ठीक उतर गया.

साबू! क्या तुमने महसूस किया कि पृथ्वी पर कम्पन हुआ जैसे भूचाल का हल्का सा झटका हो?

तुमने ठीक कहा! जब जबाक उतरता है तो चारों तरफ कम्पन होता है. मैं तुम्हें अपने ग्रह शरबीब पर ले जाने आया हूं.

नहीं! हम यहां पृथ्वी पर ही अच्छे हैं.

सुन लिया तुमने? अब हमारा रास्ता छोड़ो!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

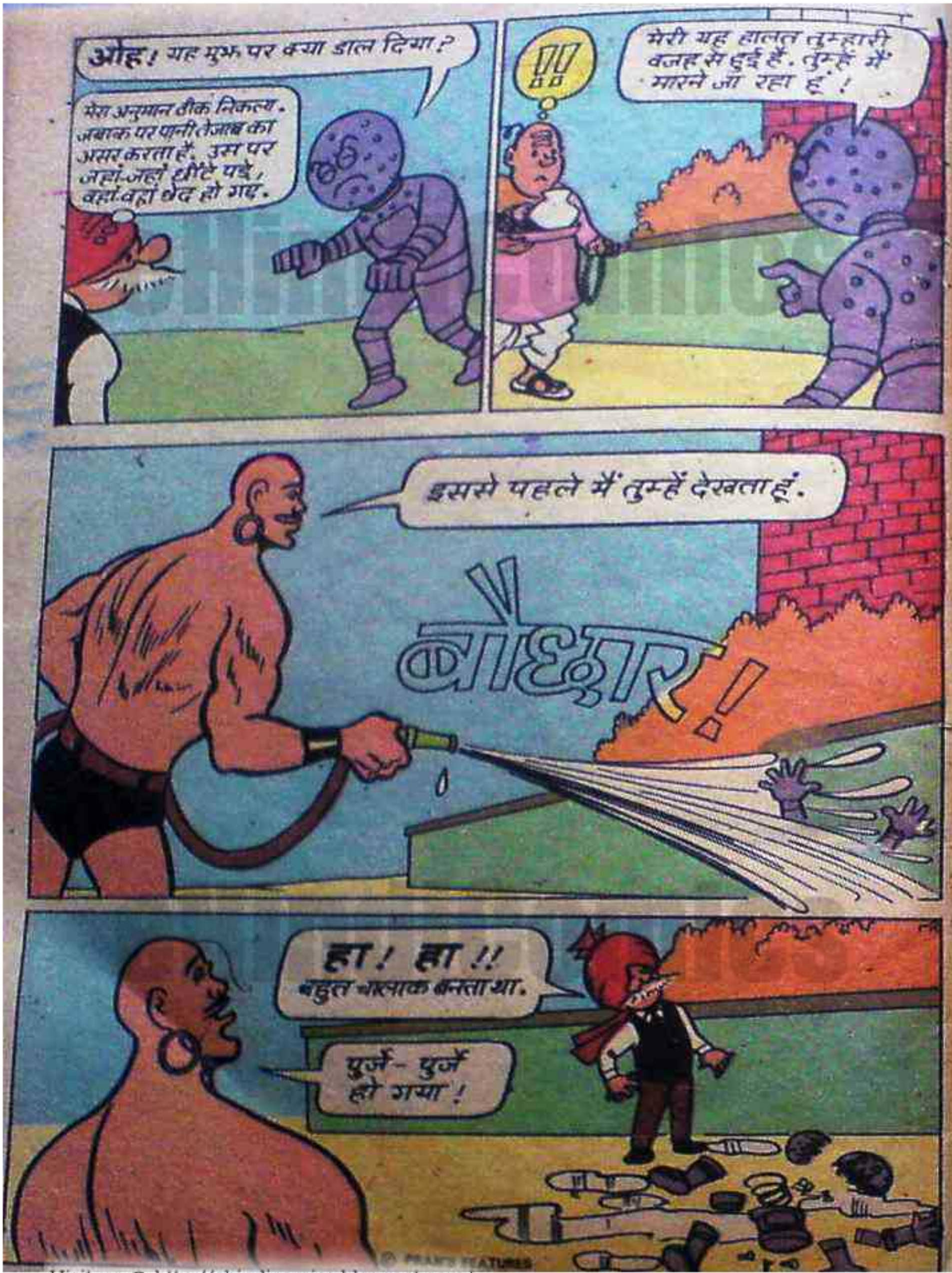

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/